पाठ-10

स्वाधीनता संग्राम में पूर्वोत्तर की वीरांगनाएँ

सातवीं कक्षा के कुछ विद्यार्थी शिक्षामूलक भ्रमण समाप्त करके तेजपुर से कल ही लौट आए थे। दोपहर का विराम चल रहा था। तेजपुर जाने वाले और वहाँ न जा पाने वाले विद्यार्थियों में बातचीत चल रही थी। ईशान ने वहाँ की **कनकलता** की मूर्ति के बारे में बताया। उसने यह भी बताया कि वीरांगना कनकलता ने किस प्रकार अपने देश को अंग्रेज शासन से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों का बलिदान किया था। उनकी बातचीत चल ही रही थी कि इतने में अध्यापक बरामदे से गुजरे। बच्चों की बातें सुनकर वे उनके पास आए।

अध्यापक : क्या कर रहे हो तुमलोग? कनकलता की बात हो रही थी क्या?

अनिकेत : ईशान हमें तेजपुर में स्थित कनकलता की मूर्ति के बारे में बता रहा था, गुरुजी?

अध्यापक : बहुत अच्छी बात है? तुमलोग तो जानते ही हो कि हमारा देश लगभग दो सौ वर्ष तक अंग्रेजों के अधीन था।

मीना : जी हाँ, गुरुजी। 15 अगस्त, 1947 ई. को हमारा देश अंग्रेजी सरकार के शासन से आजाद हुआ था।

अध्यापक : हमारे देशवासियों को आजादी के लिए सालों संघर्ष करना पड़ा। आजादी की इस लड़ाई में हमारे देश के अनेक लोग शहीद हुए।

ईशान : और हमारे असम की कनकलता भी उनमें से एक थी, है न गुरुजी?

अध्यापक : हाँ! देश के अन्य प्रांतों की तरह हमारे असम के लोगों ने भी अंग्रेजों से आजाद होने के लिए गाँधीजी के मार्ग-दर्शन में अहिंसक आंदोलन में भाग लिया था। गाँधीजी के

© NCERT not to be republished

नेतृत्व में 1942 ई. में 'भारत छोड़ो' आंदोलन चला था। इस आंदोलन के दौरान तेजपुर के पास गहपुर नामक जगह में थाने पर हमारा तिरंगा फहराने के लिए लोग जुलूस बनाकर आए थे। इस जुलूस के सबसे आगे तिरंगा लेकर बढ़ रही थी कनकलता। पुलिस ने जुलूस को रोका। परंतु कनकलता के मन में आजादी की धून सवार थी। वह झंडा फहराए बिना कैसे लौट जाए? वह आगे बढ़ी, तो गुस्से में लाल-पीला होकर पुलिस के दारोगा ने उस पर गोली चला दी। कनकलता देश की आजादी के लिए शहीद हो गई।

मनु : गुरुजी, कनकलता की तरह क्या असम की और भी किसी नारी ने आजादी की लड़ाई में भाग लिया था?

अध्यापक : हाँ! देश की आजादी की लड़ाई में असम की वीरांगनाएँ भी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ी थीं। कनकलता के अतिरिक्त **भोगेश्वरी फुकननी, अमलप्रभा दास, पुष्पलता दास, चंद्रप्रभा शइकीयानी** आदि महीयसी नारियों के अवदान भी इस आंदोलन में उल्लेखनीय हैं।

रीना : सुना है पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की भी अनेक महिलाओं ने इस आंदोलन में भाग लिया था। इन वीर महिलाओं के विषय में हमें कुछ बताइए न गुरुजी!

अध्यापक : ठीक है। सुनो, स्वाधीनता आंदोलन को गति देने में हमारे पड़ोसी राज्य मणिपुर तथा नागालैंड की महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। नागारानी गाइदिंल्यू असम की कनकलता की ही तरह किशोरी अवस्था में, केवल तेरह साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में कूद पड़ी थीं।

गाइदिंल्यू

अनिकेत : गुरुजी, क्या वे झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरह नागालैंड की रानी थीं?

अध्यापक : नहीं, नहीं। वे लक्ष्मीबाई की तरह रानी नहीं थीं। मणिपुर राज्य के लंकाओ नामक एक गाँव में 26 जनवरी, 1915 ई. को उनका जन्म हुआ था। अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में भाग लेने के कारण 1932 ई. में जब वे केवल 16 साल की एक किशोरी थीं तभी अंग्रेज सरकार ने उन्हें गिरफ्तार करके जेल की सजा दी थी। तब से वे भारत की स्वतंत्रता-प्राप्ति तक जेल में ही रहीं।

Copyright SCERT, Assam not to be republished

मनु : तो उन्हें रानी क्यों कहा जाता है गुरुजी ?

अध्यापक : जब वे शिलांग जेल में बन्दी थीं तब 1937 ई. में पं जवाहरलाल नेहरूजी ने उनसे मुलाकात की थी। नेहरूजी ने उनको 'नागारानी' कहकर संबोधित किया था और तब से वे 'रानी गाइदिंल्यू' नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ईशान : इनके बारे में जानकर बहुत अच्छा लगा। और अन्य के बारे में बताइए न गुरुजी!

रोपुइलियानी

अध्यापक : अच्छा सुनो, मिजोरम की एक स्वतंत्रता सेनानी ***रोपुइलियानी*** का नाम भी बहुत श्रद्धा से लिया जाता है। उनके पति वन्दुला मिजोरम के देनलुंग नामक गाँव के मुखिया थे। पति की मृत्यु के पश्चात रोपुइलियानी देनलुंग गाँव की मुखिया बनी थीं। मिजोरम के लिखित इतिहास के अनुसार 19वीं सदी में गाँव की मुखिया बननेवाली वे पहली महिला थीं।

रीना : उन्होंने क्या किया था गुरुजी ?

अध्यापक : रोपुइलियानी ने अंग्रेजों की हुकुमत कबूल करने से साफ इनकार किया था और खुले आम उनका विरोध किया था। इसी अपराध में 1893 ई. में उन्हें अंग्रेज सरकार ने गिरफ्तार करके जेल की सजा दी थी। लगभग एक साल जेल में कैद रहने के बाद 1894 ई. में जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई।

अनिकेत : गुरुजी, और अन्य के बारे में भी बताइए न!

अध्यापक : मेघालय राज्य की शहीद माता ***राशिमनी हाजों*** नाम से प्रसिद्ध वीरांगना ने स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इसी प्रकार सिक्किम राज्य की स्वाधीनता संग्रामी ***हेलेन लेपचा उर्फ सावित्री देवी*** का नाम भी उल्लेखनीय है। अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए भी उन्होंने अपना संघर्ष जारी रखा था। देखो, अब घंटी लगने का समय हो गया। बाद में कभी और बताएँगे। ठीक है ? अब चलते हैं।

हेलेन लेपचा

अनिकेत : जी गुरुजी, आपने हमें बहुत कुछ बताया। हमें यह जानकर गर्व हुआ है कि पूर्वोत्तर की महिलाओं ने भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपको बहुत धन्यवाद!

© NCERT not to be republished

अभ्यास-माला

पाठ से

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) स्वाधीनता दिवस कब मनाया जाता है ?

(ख) स्वाधीनता से पहले हमारे देश का नियंत्रण किनके हाथों में था ?

(ग) 'भारत छोड़ो' आंदोलन के दौरान असम की कौन-सी बालिका शहीद हुई थी ? वह कहाँ की रहने वाली थी ?

(घ) स्वाधीनता आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था ?

(ङ) हेलेन लेपचा किस नाम से जानी जाती थी ?

2. नीचे दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही ☑ अथवा गलत ☒ का निशान लगाओ :

(क) देशवासियों ने मिलकर अंग्रेजों के विरोध में आवाज उठाई।

(ख) स्वाधीनता की लड़ाई पूर्वोत्तर भारत में नहीं लड़ी गई।

(ग) वर्तमान पूर्वोत्तर भारत में कुल आठ राज्य हैं।

(घ) रानी गाइदिंल्यू असम की वीरांगना थीं।

(ङ) स्वाधीनता के लिए लड़ने वाले यश के बारे में नहीं सोचते।

3. संक्षिप्त उत्तर लिखो :

(क) दोपहर के विराम में कक्षा के भीतर क्या चल रहा था ?

(ख) असम की किन्हीं पाँच वीरांगनाओं के नाम बताओ।

(ग) असम से भिन्न पूर्वोत्तर भारत की किन्हीं तीन वीरांगनाओं के नाम और संग्राम-क्षेत्र बताओ।

(घ) कनकलता किस प्रकार देश की स्वाधीनता के लिए शहीद हो गई थी ?

पाठ के आस-पास

1. सोचो और लिखो :

(क) तुम्हारे विद्यालय में स्वाधीनता दिवस कैसे मनाया जाता है ?

(ख) तुम स्वाधीनता दिवस के अवसर पर क्या-क्या करते हो ? एक तालिका बनाओ।

(ग) तुम्हारे अंचल के स्वाधीनता सेनानियों के नाम निम्न तालिका में भरो :

महिला	पुरुष

© SCERT Assam not to be republished

इनमें से किसी एक के बारे में छोटा-सा अनुच्छेद लिखो।

(घ) नीचे दो भिन्न समयों में संघटित स्वतंत्रता आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। इन दोनों आंदोलनों में नेतृत्व देने वाले दो-दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखो :

(अ) 1857 ई. का आंदोलन (आ) 1942 ई. का आंदोलन

2. भारतवर्ष को अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के लिए जनता को क्या-क्या करना पड़ा होगा, उसके बारे में क्या जानते हो ? सामूहिक परिचर्या का आयोजन करके अपना-अपना अनुभव कक्षा में व्यक्त करो।

भाषा-अध्ययन

आओ, जानें :

1. **(क)** कनकलता साहसी लड़की थी। वह स्वाभिमानी थी। उसने ओजस्वी भाषण रखा। उसने प्यारे तिरंगे को थाने में फहराने का निश्चय किया।

ऊपर रेखांकित शब्द विशेषण हैं। जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताए उसे **विशेषण** कहते हैं। अब तुम भी कुछ विशेषण शब्द खोजो और उनसे वाक्य बनाओ।

(ख) नेहा छोटी लड़की है। अरूप छोटा लड़का है। तीन छोटे लड़के जा रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द क्रमशः छोटी, छोटा और छोटे हैं। पहले वाक्य में कर्ता 'नेहा' स्त्रीलिंग एकवचन की है। इसलिए विशेषण 'छोटी' है। दूसरे वाक्य में कर्ता अरूप है जो पुल्लिंग एकवचन का है। इसलिए विशेषण 'छोटा' है। तीसरे वाक्य में 'तीन लड़के' पुल्लिंग बहुवचन हैं, इसलिए 'छोटे' विशेषण रूप है। इस तरह लिंग, वचन के अनुसार विशेषण का परिवर्तन हो जाता है। ऐसे कुछ उदाहरण देने की कोशिश करो।

(ग) सही विशेषण चुनकर वाक्यों को पूरा करो :

(i) वह बच्चा कितना ..... है! (प्यारी, प्यारे, प्यारा)

(ii) उसका परिवार ..... है। (बड़े, बड़ा, बड़ी)

(iv) कक्षा में अनेक ..... लड़के हैं। (अच्छा, अच्छे, अच्छी)

(v) किसी को ..... नजर से मत देखो। (बुरा, बुरे, बुरी)

2. **नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से देखो :**

रमेश ने पुस्तक पढ़ी। सीमा ने खाना खाया है।

Copyright SCERT Assam not be republished

राजेश ने अभिनय किया था। लता ने गीत गाया होगा।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'ने' चिह्न का प्रयोग हुआ है। वाक्य में कर्ता के साथ 'ने' चिह्न का प्रयोग होता है। परंतु यह चिह्न वर्तमान काल तथा भविष्यत् काल में प्रयुक्त नहीं होता। यह भूतकाल के केवल चार भेदों- सामान्य, आसन्न, पूर्ण और संदिग्ध भूत में ही प्रयुक्त होता है। यह चिह्न तभी प्रयोग किया जाता है, जब क्रिया के साथ कर्म हो।

अब 'ने' चिह्न का प्रयोग करके पाँच वाक्य बनाओ और शिक्षक/शिक्षिका को दिखाओ।

योग्यता-विस्तार

1. आओ, हम पूर्वोत्तर की वीरांगनाओं की बारे में एक साथ चर्चा करें।

2. स्वाधीनता संग्राम में लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै तथा देशभक्त तरुणराम फुकन की देनों के बारे में जानकारी हासिल करो।

3. भारतीय नारियों ने केवल स्वतंत्रता संग्राम में ही अपना योगदान नहीं दिया, बल्कि अंतरिक्ष की यात्राओं में भी सराहनीय योगदान दिया है। उनके नामों की सूची तैयार करो।

परियोजना : मुला गाभरु अथवा सती जयमती के जीवन एवं कार्यों का उल्लेख करते हुए एक परियोजना तैयार करके अपने शिक्षक/शिक्षिका को दिखाओ।

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
आजाद	= स्वाधीन, स्वतंत्र	गिरफ्तार	= कैद
शहीद	= मातृभूमि के लिए मौत को गले लगाने वाले	मुलाकात	= भेंट
		हुकुमत	= शासन
जुलूस	= पंक्ति में लोगों का आगे बढ़ना	कबूल	= स्वीकार
		पूर्वोत्तर	= भारतवर्ष का उत्तर-पूर्वी भाग, जिसमें इन दिनों असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और सिक्किम- ये आठ प्रांत शामिल हैं।
धून	= लगन		
अवदान	= देन		
वीरांगना	= वीर महिला		
खिलाफ	= विरुद्ध		

Copyright SCERT, Assam not to be republished